Content

विषय – सूची

"हिन्दी नाट्य लेखिकाएँ एवं उनका कृतित्व"

प्रथम अध्याय :–

पृष्ठ भूमि, युगबोध, नारी चेतना का विकास, विभिन्न परिवेश, नारी की पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक स्थिति, हिन्दी साहित्य में नारी का स्थान ।

द्वितीय अध्याय :–

नाटकों को वर्गीकरण, समयानुसार (प्रकाशन वर्ष के अनुसार), विषयानुसार (नाट्य रूपों के आधार पर), विभिन्न नाटकों का परिचय – कथावस्तु, विषय के अनुसार वर्गीकरण और नाटकों का परिचय ।

तृतीय अध्याय :–

विभिन्न नाटकों का कथ्य, उनकी विशेषताएँ, कथ्य की दृष्टि से विभिन्न नाटकों का वैशिष्ट्य और उनकी आलोचना ।

चतुर्थ अध्याय :–

नाटकों में चरित्रों का महत्व, चरित्रों के प्रकार, चारित्रिक विशेषताओं के आलोक में विभिन्न नाटकों की समालोचना ।

पंचम् अध्याय :–

नाट्यभाषा,प्रसंगानुकूल, पात्रानुकूल भाषा, नाटकों में भाषा एवं संवाद का महत्व, संवाद एवं भाषा के आधार पर विभिन्न नाटकों का अध्ययन ।

षष्ठम् अध्याय :–

रंगमंच सम्बन्धी अवधारणाएँ और रंगमंच के विकास की रूपरेखा, अभिनय शब्द का तात्पर्य–भेद, नाटकों में अभिनय व रंगमंच का महत्व, मंचीय और अभिनेयता के आधार पर विभिन्न नाटकों पर एक दृष्टिपात ।